जापानी येन की तुलना में, दो संदर्भित तारीखों के बीच रूपए का अधिमूल्यन हुआ ।

(ख) और(ग) रूपए की विनिमय दर बाजार द्वारा निर्धारित होती है । रूपए का सांकेतिक रूप में यह अवमूल्यन हाल के वर्षों में रूपए वास्तविक अर्थों में 1993-94 से हुए अधिमूल्यन के संबंध में बाजार सुधार है । विनिमय दर में हाल के परिवर्तन ने भारत की प्रतियोगितात्मकता को बहाल किया है और यह निर्यात संवृद्धि को सुदृढ़ बनाए रखने और आयात में वृद्धि को नियंत्रित करने की सुनिश्चिता में सहयोग करेगा । ये दोनों कारक व्यापार घाटे को प्रबंध योग्य स्तरों पर नियंत्रित रखने में सहायता करेंगे ।

रूपए की विनिमय में दर अब्रूवहारिक कारणों से हाल की अवधि में अत्यधिक स्थिरता देखने में आई है । इसका भा.रि.बैंक द्वारा उचित उपायों के जरिए सक्रिय रूप से सामना किया गया । भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ और लचीली बनी हुई है, जिसे घेरलु और विदेशी क्षेत्रों के कार्य-निष्पादनों द्वारा आंका जा सकता है ।

हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात

45. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला** :

चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे कुल कितने पंजीकृत एकक हैं जो हस्तशिल्प की वस्तुओं का निर्यात करते हैं ,

(ख) हस्तशिल्प की वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से सरकार द्वारा निर्यातकों को प्रदान की जा रही रियायतों और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार हस्तशिल्प की वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए कोई और नई योजना प्रारंभ करने का विचार रखती है, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी.वेंकट स्वामी): (क) देश में 9060 पंजीकृत हस्तशिल्प निर्यात एकक है । इनमें से 6500 एकक हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है तथा 2560 कालीन निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत है ।

(ख) सरकार द्वारा निर्यातकों को हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही रियायतों तथा सुविधाओं में ये शामिल है: शुल्क वापिसी, ब्याज की रियायती दरों पर पूर्व तथा पोतलदान ऋण, 32 माइक्रोन तथा इसके ऊपर की कालीन ग्रेड वूल पर 10 प्रतिशत यथामूल्य की दर पर रियायती आयात शुल्क हस्त शिल्प निर्यातकों द्वारा कुल विदेशी मुद्रा उपार्जन पर निर्यात गृह/व्यापार गृह/स्टार व्यापार गृह तथा सुपर स्टार व्यापार गृह को मान्यता देने के प्रयोजन से ट्रिपल वेटेज तथा हस्तशिल्प निर्यात संवधर्न परिषद तथा कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्य निर्यातकों की समय-समय पर आयोजित विभिन्न संवर्धनात्मक काय्र-कलापों में भागीदारी ।

(ग) और (घ) निर्यात संवर्धन योजनाओं में विदेशों में ब्रिकी-सह-अध्ययन दल प्रायोजित करना, अंतराष्ट्रीय मेले तथा प्रर्दशनियों में भाग लेना, क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करना, समुद्रपार प्रचार तथा कैटलाग का प्रकाशन, सेमिनार तथा कार्यशालाओं का संचालन तथा हाल ही में संस्थापित वार्षिक आधार पर आयोजित अंतराष्ट्रीय हस्तशिल्प तथा उपहार मेले तथा अखिल भारतीय कालीन व्यापार मेले को सुदृढ़ करना शामिल है ।

इसके अतिरिक्त देश में हस्तशिल्प के विकास तथा सवंर्धन के लिए सरकार विभिन्न योजनांए जैसे प्रशिक्षण, प्रदर्शनी तथा प्रचार, विपणन विकास सहायता, डिजायन विकास, सर्वेक्षण तथा अध्ययन आदि काय्रन्वित करती है ।

Emergence of small scale private suppliers of power due to power shortage

46. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that peaking shortage of power supply in thee country is 20% at present;

(b) whether it is also a fact that this shortage has led to the emergence of a network of small scale private suppliers of power supplying power at an enhanced rate to the manufacturers and other industrial establishments;

(c) whether Government contemplate to come out with similar arrangements; and

(d) if so, by when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) During the period April '95—January '96, the peaking shortage in the country was 18.2%.

(b) No, Sir.

(c) and (d) In order to bridge the gap between demand and availability, amongst the measures being taken are—expediting the commissioning of new generating capacity, implementation of short gestation projects, improving the performance of existing power stations, implementation of R & M programme, reduction of T&D losses, implementation of better demand management & energy conservation measures and exchange of power between neighbouring states/ systems etc.

Pending Cases of Public Provident Fund Claims

47. SHRI NAGMANI:
CHAUDHARY HARMOHAN SINGH:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the state-wise details of cases relating to the final payment of Public Provident Fund claims pending with Government and since when these claims are pending;

(b) the reasons for the pendency of these claims; and

(c) the measures Government have taken for immediate payment of the amount of these claims and the action being taken against the officers responsible for the delay in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) The cases of final payments of the Public Provident Fund claims are settled by the bank/post office directly where the account stands, as per provisions of Public Provident Fund Scheme, 1968. Hence no claims are pending with the Government.

(b) and (c) do not arise.

विद्युत उत्पादन में गिरावट

48. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या देश में इस वर्ष विद्युत का उत्पादन कम होने की आंशका है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है, और

(ग) सरकार ने विद्युत की मांग के अनुरूप उसका उत्पादन बढ़ाने हेतु क्या प्रयास किए हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन चिमनभाई पटेल): (क) और (ख) जी, नहीं । अप्रैल, 95 – जनवरी, 96 की अवधि के दौरान 312081 मि.यू. के लक्ष्य की तुलना में ऊर्जा उत्पादन 314802 मि.यू. था, जो लक्ष्य का 100.8% है । यह प्रत्याशा की जाती है कि सम्पूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने में कमी नहीं होगी ।

(ग) विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए शुरू किए गए उपायों में अधिष्ठापित क्षमता का अधिकतम समुपयोजन करना, ताप विद्युत केन्द्रों के लिए उचित गुणवत्ता एंव मात्रा वाली आपूर्ति की मानीटरिंग करना तथा विद्यमान विद्युत स्टेशनों का उन्नयीनकरण करना शामिल है । पारेषण एंव वितरण हानियों को कम करने के लिए स्कीमें आरम्भ करने के अतिरिक्त, केन्द्रों तथा राज्य दोनों स्वरों पर सार्वजनिक क्षेत्र में चालू परियोजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन किए जाने हेतु कदम भी उठाए गए हैं । निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है ।

Programmes Transmitted by Doordarshan and All India Radio

49. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of INFORMATION AND BROAD CASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the quality of programmes transmitted by Doordarshan and All India Radio is far from satisfactory;